भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3717

सोमवार, 24 मार्च, 2025/03 चैत्र, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

तिरूपति में प्रसाद योजना

†3717. श्री मड्डीला गुरूमूर्ति:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में इसके महत्व को देखते हुए तिरूपति जिले में तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना को कार्यान्वित करने के लिए कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो तिरूपति जिले में प्रसाद योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार प्रसाद योजना के अंतर्गत तिरूपति की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए अवसंरचना और सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए अतिरिक्त निधि आवंटित करने की योजना बना रही है;

(घ) यदि नहीं, तो जिले में इस योजना के कार्यान्वयन में विलंब अथवा कार्यान्वयन न किए जाने के क्या कारण हैं; और

(ङ) तिरूपति जिले में प्रसाद योजना के अंतर्गत परियोजनाओं को पूरा करने की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ड.): पर्यटन मंत्रालय "तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान" (प्रशाद) के तहत चिह्नित तीर्थ स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के तहत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है।

पर्यटन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्रस्तावों की प्राप्ति एक सतत प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशानिर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और निर्धारित शर्तों की पूर्ति और धन की उपलब्धता के अधीन इन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

तिरुपति जिले में तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना को लागू करने का प्रस्ताव इस समय पर्यटन मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है। तथापि, मंत्रालय ने 4 परियोजनाओं नामत: गुंटूर जिले के अमरावती शहर का पर्यटन स्थल के रूप में विकास, श्रीसैलम मंदिर का विकास, विशाखापत्तनम मंदिर के सिम्हाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वारी देवस्थानम और अन्नावरम मंदिर शहर में तीर्थ पर्यटन अवसंरचना का विकास को स्वीकृति दी है और प्रशाद योजना के तहत विकास के लिए नेल्लोर जिले के वेदगिरि लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर को भी चिह्नित किया है।

*****